सुरक्षा की कवायद : चुनाव में नक्सलियों को साधेंगे 'कोबरा, कुत्ता और नेत्रा'

Publish Date:Tue, 25 Aug 2015 11:03 AM (IST) | Updated Date:Tue, 25 Aug 2015 11:27 AM (IST)

Share

पटना [राजीव रंजन]। विधानसभा चुनाव में 'कोबरा, कुत्ता और नेत्रा (ड्रोन)' राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा की कमान संभालेंगे। यह पहला मौका है जब केंद्रीय अद्र्धसैनिक बलों ने किसी राज्य के चुनाव में इन तीनों संसाधनों के एक साथ इस्तेमाल से नक्सलियों को उनकी मांद में जवाब देने की रणनीति तैयार की है।
घात लगाकर हमला करने में माहिर नक्सलियों को उनके 'लिबरेटेड जोन' में घेरने की रणनीति को अंतिम रूप दिया जा चुका है।

राज्य के नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात कोबरा बटालियन सीआरपीएफ की ही कमांडो यूनिट है। नक्सलियों द्वारा बिछाई जाने वाली बारूदी सुरंगों की शिनाख्त करने तथा किसी वारदात को अंजाम देकर भागने वाले नक्सलियों का पीछा करने के लिए डॉग स्क्वायड की दो टीमें तैयार की गई हैं। देशी तकनीक से डिजाइन किए गए ड्रोन विमान (नेत्रा) को आसमान में उड़ाकर जमीन पर नक्सलियों की हर गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। इन तीनों की तैनाती नक्सल प्रभावित इलाकों में चुनाव से पहले ही सुनिश्चित की जा रही है।

कोबरा यूनिट : कोबरा यूनिट के जवान जंगलों में बिना भोजन-पानी के लंबे समय तक मोर्चा संभाल सकते हैं। वे जरूरत पडऩे पर सांप और जंगली जानवरों को पकडऩे और उन्हें खाकर जिंदा रहने का हुनर जानते हैं। जंगल में गुरिल्ला युद्ध के दौरान ये लंबे समय तक पेड़ों पर छुपकर भी मोर्चा संभाल सकते हैं। इन्हें अत्याधुनिक हथियार यथा इंसास रायफल, एके-47, ग्रेनेड, रॉकेट लांचर चलाने में महारथ हासिल है। राज्य के गया, औरंगाबाद, रोहतास, जमुई और झारखंड से लगे अन्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में कोबरा बटालियन की तैनाती काफी पहले से है।

डॉग स्क्वायड : अमेरिकी नस्ल के 'ट्रैकर डॉग' नक्सलियों के दस्तों की भनक लगते ही उनका पीछा करने लगते हैं। ये नक्सलियों का 40 से 45 किलोमीटर तक पीछा करने की क्षमता रखते हैं। साथ ही इन्हें इस तरह से प्रशिक्षित दिया गया है कि मौका मिलते ही सबसे पहले उनके हाथों में पड़े हथियार पर झपटते हैं। इसके अलावा सीआरपीएफ के पास 'स्निफर डॉग' का दस्ता भी उपलब्ध है, जो कच्चे-पक्के रास्तों में बिछाए जाने वाले बारूदी सुरंगों का पता लगाने में माहिर हैं।

चुनावी तैयारी: तकनीकी कौशल से लड़ेंगे वार

नेत्रा ड्रोन : 'नेत्रा' देसी 'ड्रोन' (अनमैन्ड एरियल व्हीकल) है। इसमें छह हाई रिजोल्यूशन कैमरे लगे हैं, जो जमीन से पांच सौ मीटर की ऊंचाई से सतह पर चलने वाली हर गतिविधि की तस्वीर सीआरपीएफ के मॉनिटर पर भेजता है। इसे रिमोट से संचालित किया जाता है और इसमें रिमोट के जरिए ही कैमरे को 'जूम इन करने की सुविधा उपलब्ध है। नेत्रा 'नाइटविजन कैमरे' से भी लैस है। हाल के दिनों में सीआरपीएफ ने गया, औरंगाबाद, जमुई, रोहतास, बांका, लखीसराय समेत राज्य में कई स्थानों पर इसका इस्तेमाल एंटी नक्सल ऑपरेशन में किया है।

पढ़ें: छत्तीसगढ़ के बस्तर में STF पर नक्सिलयों का हमला, 1 जवान शहीद

Sponsored

ताजा खबरें, फोटो, वीडियो व लाइव स्कोर देखने के लिए क्लिक करें m.jagran.com पर

जागरण एप्लीकेशन डाउनलोड करें

कमेंट करें

Tags: # cobra dog , # netra drone , # bihar election , # assembly election , # bihar assembly election , # naxal areas ,

Web Title:cobra dog and netra drone will be part of security in naxal hit areas

(Hindi news from Dainik Jagran, newsnational Desk)

2 0 0 0

चुनावी तैयारी: तकनीकी कौशल से लड़ेंगे वार

स्पैम इमेल्स भेजते हुए पकड़े गए स्मार्ट फ्रिज व टेलीविजन

यह भी देखें

अपनी भाषा चुनें

English Hindi

अपना कमेंट लिखें। कॉमेंट में किसी भी तरह की अभद्र भाषा का प्रयोग न करें।

Characters remaining 1000

लॉग इन करें

यानिम्न जानकारी पूर्ण करें

Name:

Email:

Word Verification:* Type the characters you see in the picture below

Type the text

Privacy & Terms

Submit

मिलती जुलती

'हम' ने भी भाजपा पर बनाया दबाव

'हम' ने भी भाजपा पर बनाया दबाव

चुनावी तैयारी: तकनीकी कौशल से लड़ेंगे वार

चुनावी तैयारी: तकनीकी कौशल से लड़ेंगे वार

PM और आंध्र प्रदेश के CM मिले

मतगणना की सुरक्षा

मतगणना की सुरक्षा

अच्छे दिन का नारा भाजपा ने नहीं, जनता ने दिया : नरेंद्र सिंह तोमर

अच्छे दिन का नारा भाजपा ने नहीं, जनता ने दिया : नरेंद्र सिंह तोमर

जनमत

क्या बिहार को विशेष पैकेज देने की घोषणा से विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की संभावनाएं बढ़ गई हैं?

- हां
- नहीं
- पता नहीं

वोट करें

रिजल्ट देखें

पूर्ण पोल देखें »

ताजा खबर

पाक गोलाबारी में जेसीओ शहीद, जवान घायल

मंगल पर अनजान यान जैसी चीज दिखी

सिर्फ ईसाइयों में महिलाओं का अनुपात बेहतर

राधे मां पर सख्त हुआ बांबे हाईकोर्ट

देश में 29 लाख ऐसे लोग जिन्हें किसी धर्म से मतलब नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से लड़कियों की तस्करी पर कार्ययोजना बनाने को कहा

जरा हटके

16 बच्चों का बाप लाया पोती की उम्र की बेगम

बहन की शादी के लिए बैल बने भाई

तीन बार मौत के मुंह से लौटा ये नवजात

27 साल बाद फेसबुक पर खोज ली मां

ट्रेन को ही बना लिया आशियाना

पुरुषों को नही है यहां आने की इजाजत

स्थानीय

राज्य चुनें ▼

जिला चुनें ▼

उत्तर प्रदेश

मेरठ | लखनऊ | कानपुर

- चीन-पाकिस्तान के इशारे पर कुचले जा ...
- मुस्लिम एसोसिएशन के महामंत्री को पी...
- मदद को न उठे हाथ तो मर जाएंगे पांच

बिहार

पटना | गया | नालंदा

- तीन दिवसीय विज्ञान साक्षरता उत्सव श...
- शिक्षक नियोजन में अनियमितता पर मुखि...
- जन संघर्ष अभियान समिति की बैठक

उत्तराखंड

देहरादून | नैनीताल | हरिद्वार

- टॉप बॉक्स -- धार में शिक्षा की धाद ...
- विधायक ने नायब तहसीलदार को पीटा
- आयुषी का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन